Interactions with Academic Counsellors at Shahjahanpur

On 2nd May 2014, an interaction session was held with the academic counselors and study centre functionaries at IGNOU study centre 27103, Swami Shukdevanand PG College, Shahjahanpur. It was discussed during the meeting about the strategies which may be locally effective in enhancing the enrollment. The study centre showed the display banner which they had prepared and informed that more flex banners would be put-up at different places for spreading the information.

The Coordinator Dr. Prabhat Shukla informed about the strategies which they would be following in coming weeks to motivate the students. He informed that the B.Ed. learners would be motivated for pursuing the add-on courses. Massive pamphlet distribution would be held at the time of declaration of 10+2 Board results.

After the interaction session, the media were briefed about the activities which IGNOU Regional Centre, Lucknow has been performing for taking education to the unreached sections of the society.

रविवार बरेली । 4 मई 2014 अमर उजाला

शिक्षा से हासिल करें सर्वोच्चता: मनोरमा

शाहजहांपुर। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय केलखनऊ क्षेत्रीय केंद्र की निदेशक डॉ. मनोरमा सिंह ने कहा कि विश्व में ज्ञान के नित नवीन क्षेत्र खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि समय की मांग के अनुरूप ज्ञान की नवीन सूचनाओं से स्वयं को जोड़कर शिक्षा से सर्वोच्चता हासिल करें।

वह शनिवार को एसएस कालेज के इग्नू अध्ययन केंद्र में अकादमिक परामर्शदाताओं की बैठक को संबोधित कर रही थीं। डॉ. सिंह ने कहा कि उच्च शिक्षा को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए इग्नू ने 'शिक्षा से सर्वोच्चता' अभियान शुरू किया है। इस अभियान को सफल बनाने में अकादमिक परामर्शदाता सक्रिय भूमिका निभाएं। उप क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अनिल मिश्र ने इग्नू की लचीली शिक्षण पद्घति और अन्य कई कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला।

सहायक क्षेत्रीय निदेशक अंशुमान उपाध्याय ने इग्नू के कार्यक्रमों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी बताया। प्रारंभ में केंद्र समन्वयक डॉ. प्रभात शुक्ल और विभागाध्यक्ष डॉ. एमके वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया।

उपयोगिता बनाए रखने को नया ज्ञान लें

शाहजहांपुर | हिन्दुस्तान संवाद

इग्नू के लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र की क्षेत्रीय निदेशिका डा. मनोरमा सिंह ने कहा कि विश्व में ज्ञान के रोज नए क्षेत्र खुलते जा रहे हैं। वह जमाना नहीं रहा जब एक बार अध्ययन कर लेने के बाद आगे पढ़ने की जरूरत नहीं रह जाती थी, आज दुनिया में बड़ी तेजी के साथ हर क्षेत्र में ज्ञान और सूचनाएं दिन पर दिन बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में स्वयं की उपयोगिता बनाए रखने के लिए लगातार नए ज्ञान और सूचनाओं से खुद को जोड़ रखना जरूरी है।

वह एसएस कालेज के इग्नू अध्ययन केंद्र पर अकादमिक परामर्शदाताओं की बैठक में बोल रहीं थीं। उन्होंने कहा कि इग्नू उच्च शिक्षा को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए 'शिक्षा से सर्वोच्चता' की सफलता में सभी परामर्शदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। उनके सहयोग से ही महिलाओं, ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों और सामाजिक आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों को शिक्षा से जोड़ने के प्रयास सफल हो सकते हैं। उप क्षेत्रीय निदेशक डा. अनिल कुमार मिश्र ने कहा कि इग्नू रोज नए विषय और डिप्लोमा कोर्स विद्यार्थियों के लिए ला रहा है। इसकी शिक्षण पद्धति अत्यन्त लचीली है। बीपीपी कार्यक्रम की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि इसमें वे सभी लोग प्रवेश प्राप्त कर शैक्षिक डिग्री हासिल कर सकते हैं जिन्होंने कभी कोई शिक्षा प्राप्त नहीं की है। सहायक क्षेत्रीय निदेशक अंशुमान उपाध्याय ने बताया कि इग्नू के स्नातक स्तर के कार्यक्रम छात्रों को संघ लोक सेवा आयोग व अन्य आयोगों द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए काफी उपयोगी होते हैं। इस दौरान केंद्र समन्वयक डॉ. प्रभात शुक्ल, विभागाध्यक्ष डा.एमके वर्मा, डॉ. मीना शर्मा, डॉ. विनीत श्रीवास्तव, डॉ. प्रशान्त अग्निहोत्री, डॉ. धीरज रस्तोगी, डॉ.अरविन्द शुक्ल, डॉ. राजेश कुमार, नंदिनी कश्यप, सुषमा मेहरोत्रा, बलराम बाजपेई, मुकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

एसएस डिग्री कालेज में शनिवार को इग्नू के अकादमिक परामर्शदाताओं की बैठक हुई, जिसमें कई परामदर्शदाता मौजूद रहे। • हिन्दुस्तान

बैठक

- एसएस डिग्री कालेज में अकादमिक परामर्शदाताओं की बैठक में बोलीं क्षेत्रीय निदेशिका
- इग्नू के कोर्स और इनकी वर्तमान समय में लोगों को जरूरत के बारे में विस्तार से बताया

एसएस डिग्री कालेज में शनिवार को इग्नू के अकादमिक परामर्शदाताओं की बैठक हुई, जिसमें क्षेत्रीय निदेशिका ने इग्नू के महत्व के बारे में बताया। • हिन्दुस्तान

स्वयं की उपयोगिता को नवीन ज्ञान जरूरी

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

शाहजहांपुर। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र की क्षेत्रीय निदेशक डॉ.मनोरमा सिंह ने कहा कि दुनिया में बड़ी तेजी के साथ हर क्षेत्र में ज्ञान और सूचनाएं दिन प्रतिदिन बढ़ रही हैं। इस स्थिति में स्वयं की- उपयोगिता बनाये रखने के लिए निरन्तर नवीन ज्ञान और सूचनाओं से स्वयं को जोड़े रखना आवश्यक है।

एसएस कालेज के इग्नू अध्ययन केंद्र पर अकादमिक परामर्शदाताओं की बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. मनोरमा सिंह ने कहा कि इग्नू द्वारा उच्च शिक्षा को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए शिक्षा से सर्वोच्चता की सफलता में सभी अकादमिक परामर्शदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। मुख्य अतिथि उप क्षेत्रीय निदेशक डा. अनिल कुमार मिश्र ने कहा कि इग्नू रोज नये विषयों और डिप्लोमा कोर्स विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत कर रहा है जो उनके लिए अत्यधिक उपयोगी है। इग्नू की शिक्षण पद्धति अत्यन्त लचीली है। सहायक क्षेत्रीय निदेशक अंशुमान उपाध्याय ने बताया कि इग्नू गृह मंत्रालय के सहयोग से छह माह का पाठ्यक्रम सर्टिफिकेट कोर्स इन एंटी ह्यूमेन ट्रेफिकिंग संचालित कर रहा है जो पुलिस एवं अन्य कर्मियों के लिए आवश्यक है। केन्द्र समन्वयक डा. प्रभात शुक्ल ने कहा कि आने वाले समय में दूरस्थ शिक्षा एक मात्र ऐसा विकल्प होगा जिससे बहुत सारे लोग एक साथ उच्च शिक्षा घर बैठे प्राप्त कर सकेंगे।

इससे पूर्व इग्नू क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ से आये अतिथियों का स्वागत समन्वयक डॉ.प्रभात शुक्ल तथा विभागाध्यक्ष डॉ. एमके वर्मा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। बैठक में डॉ. मीना शर्मा, डा. एम के वर्मा, डॉ. विनीत श्रीवास्तव, डा. प्रशान्त अग्निहोत्री, डा. धीरज रस्तोगी, डा. अरविन्द शुक्ल, डा. राजेश कुमार, नंदिनी कश्यप, सुषमा मेहरोत्रा आदि उपस्थित रहे।

एसएस कालेज में अकादमिक परामर्शदाताओं की बैठक में मौजूद डॉ. मनोरमा सिंह व अन्य अधिकारी।

आह्वान

- इग्नू अध्ययन केन्द्र पर अकादमिक परामर्शदाताओं की बैठक, इग्नू की शिक्षण पद्धति है अत्यंत लचीली

8 | दैनिक जागरण बरेली, 4 मई 2014

एसएस कालेज के इग्नू अध्ययन केंद्र पर आयोजित परामर्शदाताओं की बैठक में मौजूद लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र की निदेशिका डा. मनोरमा सिंह व अन्य।

'नवीन ज्ञान और सूचनाओं से सामंजस्य जरूरी'

शाहजहांपुर : 'विश्व में आज ज्ञान के नित नवीन क्षेत्र रोज खुलते जा रहे हैं। स्वयं की उपयोगिता बनाए रखने के लिए निरंतर नवीन ज्ञान और सूचनाओं से स्वयं को जोड़े रखना आवश्यक है।' ये विचार इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र की क्षेत्रीय निदेशिका डा. मनोरमा सिंह ने व्यक्त किए। डा. मनोरमा सिंह एसएस कालेज के इग्नू अध्ययन केंद्र पर अकादमिक परामर्शदाताओं की बैठक की अध्यक्षता कर रहीं थीं। उन्होंने कहा कि इग्नू द्वारा उच्च शिक्षा को गांव गांव तक पहुंचाने के लिए अभियान शिक्षा से सर्वोच्चता की सफलता में सभी अकादमिक परामर्शदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। अकादमिक परामर्शदाताओं की भूमिका की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा से वंचितं उन इच्छुक व्यक्तियों को इग्नू के पाठ्यक्रमों से जुड़ने के लिए प्रेरित करना अकादमिक परामर्शदाताओं का काम है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपक्षेत्रीय निदेशक डा. अनिल कुमार मिश्र ने कहा कि इग्नू रोज नए विषयों और डिप्लोमा कोर्स विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत कर रहा है जो उनके लिए अत्यधिक उपयोगी है। सहायक क्षेत्रीय निदेशक अंशुमान उपाध्याय ने बताया कि इग्नू के स्नातक स्तर के कार्यक्रम छात्रों को संघ लोक सेवा आयोग एवं अन्य आयोगों द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु काफी उपयोगी होते हैं।

11 स्पष्ट आवाज़ शाहजहांपुर-मुरादाबाद-बरेली

निरन्तर नवीन ज्ञान और सूचनाओं से जुड़े रहेः मनोरमा सिंह

- एसएस कॉलेज में इग्नू अध्ययन केन्द्र पर अकादमिक परामर्षदाताओं की बैठक

शाहजहांपुर। विश्व में आज ज्ञान के नित नवीन क्षेत्र रोज खुलते जा रहे हैं। अब वह जमाना नहीं रहा जब एक बार अध्ययन कर लेने के बाद आगे पढ़ने की आवश्यकता नहीं रह जाती थी। आज की दुनिया में बड़ी तेजी के साथ हर क्षेत्र में ज्ञान और सूचनाएं दिन प्रतिदिन बढ़ रही हैं। इस स्थिति में स्वयं की उपयोगिता बनाये रखने के लिए निरन्तर नवीन ज्ञान और सूचनाओं से स्वयं को जोड़े रखना आवश्यक है। यह विचार इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र की क्षेत्रीय निदेशिका डॉ मनोरमा सिंह ने व्यक्त किये। डॉ मनोरमा सिंह एस0एस0 कालेज के इग्नू अध्ययन केन्द्र पर अकादमिक परामर्शदाताओं की बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं। उन्होंने कहा कि इग्नू द्वारा उच्च शिक्षा को गांव गांव तक पहुँचाने के लिए अभियान 'शिक्षा से सर्वोच्चता' की सफलता में सभी अकादमिक परामर्शदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए उपक्षेत्रीय निदेशक डॉ अनिल कुमार मिश्र ने कहा कि इग्नू रोज नये विषयों और डिप्लोमा कोर्स विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत कर रहा है जो उनके लिए अत्यधिक उपयोगी है। इग्नू की शिक्षण पद्धति अत्यन्त लचीली है। बीपीपी कार्यक्रम की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इस कोर्स में वे सभी लोग प्रवेश प्राप्त कर शैक्षिक डिग्री हासिल कर सकते हैं जिन्होंने कभी कोई शिक्षा प्राप्त नहीं की है। बीपीपी कार्यक्रम करने के पश्चात वे इग्नू से स्नातक, डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र कार्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं। सहायक क्षेत्रीय निदेशक अंशुमान उपाध्याय ने बताया कि इग्नू के स्नातक स्तर के कार्यक्रम छात्रों को संघ लोक सेवा आयोग एवं अन्य आयोगों द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु काफी उपयोगी होते हैं। श्री उपाध्याय ने यह भी बताया कि इग्नू गृह मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से एक छः माह का पाठ्यक्रम सार्टिफिकेट 'कोर्स इन एंटी ह्यूमेन ट्रेफिकिंग' संचालित कर रहा है जो पुलिस एवं अन्य कर्मियों के लिए अत्यन्त आवश्यक है।

आज
लखनऊ, ४ मई, २०१४ १०

निरन्तर नवीन ज्ञान और सूचनाओं से जुड़े रहे स्वयं-मनोरमा सिंह

एसएस कॉलेज में इग्नू अध्ययन केन्द्र पर अकादमिक परामर्शदाताओं की बैठक

शाहजहांपुर। विश्व में आज ज्ञान के नित नवीन क्षेत्र रोज खुलते जा रहे हैं। अब वह जमाना नहीं रहा जब एक बार अध्ययन कर लेने के बाद आगे पढ़ने की आवश्यकता नहीं रह जाती थी।

आज की दुनिया में बड़ी तेजी के साथ हर क्षेत्र में ज्ञान और सूचनाएं दिन प्रतिदिन बढ़ रही हैं। इस स्थिति में स्वयं की उपयोगिता बनाये रखने के लिए निरन्तर नवीन ज्ञान और सूचनाओं से स्वयं को जोड़े रखना आवश्यक है। यह विचार इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र की क्षेत्रीय निदेशिका डॉ मनोरमा सिंह ने व्यक्त किये। डॉ मनोरमा सिंह एस0एस0 कालेज के इग्नू अध्ययन केन्द्र पर अकादमिक परामर्शदाताओं की बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं। उन्होंने कहा कि इग्नू द्वारा उच्च शिक्षा को गांव गांव तक पहुँचाने के लिए अभियान 'शिक्षा से सर्वोच्चता' की सफलता में सभी अकादमिक परामर्शदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए उपक्षेत्रीय निदेशक डॉ अनिल कुमार मिश्र ने कहा कि इग्नू रोज नये विषयों और डिप्लोमा कोर्स विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत कर रहा है जो उनके लिए अत्यधिक उपयोगी है। इग्नू की शिक्षण पद्धति अत्यन्त लचीली है। बीपीपी कार्यक्रम की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इस कोर्स में वे सभी लोग प्रवेश प्राप्त कर शैक्षिक डिग्री हासिल कर सकते हैं जिन्होंने कभी कोई शिक्षा प्राप्त नहीं की है। बीपीपी कार्यक्रम करने के पश्चात वे इग्नू से स्नातक, डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र कार्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं। सहायक क्षेत्रीय निदेशक अंशुमान उपाध्याय ने बताया कि इग्नू के स्नातक स्तर के कार्यक्रम छात्रों को संघ लोक सेवा आयोग एवं अन्य आयोगों द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु काफी उपयोगी होते हैं। श्री उपाध्याय ने यह भी बताया कि इग्नू गृह मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से एक छः माह का पाठ्यक्रम सार्टिफिकेट 'कोर्स इन एंटी ह्यूमेन ट्रेफिकिंग' संचालित कर रहा है जो पुलिस एवं अन्य कर्मियों के लिए अत्यन्त आवश्यक है। केन्द्र समन्वयक डॉ प्रभात शुक्ल ने कहा कि आने वाले समय में दूरस्थ शिक्षा एक मात्र ऐसा विकल्प होगा जिससे बहुत सारे लोग एक साथ उच्च शिक्षा घर बैठे प्राप्त कर सकेंगे। ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए इग्नू ने किसी भी श्रेणी तथा विषय से इण्टर पास को बी0ए0 कराने की सुविधा अपने केन्द्रों पर प्रदान कर रखी है। इसके अतिरिक्त जी0टी0आई0 तथा आई0टी0आई0 करने वाले विद्यार्थी भी अपने पाठ्यक्रमों के साथ ही साथ इग्नू से स्नातक की डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं। इससे पूर्व इग्नू क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ से आये अतिथियों का स्वागत समन्वयक डॉ प्रभात शुक्ल तथा विभागाध्यक्ष डॉ एम के वर्मा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। बैठक में इग्नू के परामर्शदाताओं के रूप में डॉ मीना शर्मा, डॉ एम के वर्मा, डॉ विनीत श्रीवास्तव, डॉ प्रशान्त अग्निहोत्री, डॉ धीरज रस्तोगी, डॉ अरविन्द शुक्ल, डॉ राजेश कुमार, नंदिनी कश्यप, श्रीमती सुषमा मेहरोत्रा, बलराम बाजपेई, मुकेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

शाहजहांपुर/बांदा/
डेली न्यूज़ एक्टिविस्ट
रविवार, 4 मई, 2014 13

नवीन ज्ञान व सूचनाओं से जुड़े रहें : मनोरमा

शाहज़हांपुर। विश्व में आज ज्ञान के नित नवीन क्षेत्र रोज खुलते जा रहे हैं। अब वह जमाना नहीं रहा जब एक बार अध्ययन कर लेने के बाद आगे पढ़ने की आवश्यकता नहीं रह जाती थी। आज की दुनिया में बड़ी तेजी के साथ हर क्षेत्र में ज्ञान और सूचनाएं दिन प्रतिदिन बढ़ रही हैं। इस स्थिति में स्वयं की उपयोगिता बनाये रखने के लिए निरन्तर नवीन ज्ञान और सूचनाओं से स्वयं को जोड़े रखना आवश्यक है। यह विचार इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र की क्षेत्रीय निदेशिका डॉ मनोरमा सिंह ने व्यक्त किये।

डॉ मनोरमा सिंह एस0एस0 कालेज के इग्नू अध्ययन केन्द्र पर अकादमिक परामर्शदाताओं की बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं। उन्होंने कहा कि इग्नू द्वारा उच्च शिक्षा को गांव गांव तक पहुँचाने के लिए अभियान 'शिक्षा से सर्वोच्चता' की सफलता में सभी अकादमिक परामर्शदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए उपक्षेत्रीय निदेशक डॉ अनिल कुमार मिश्र ने कहा कि इग्नू रोज नये विषयों और डिप्लोमा कोर्स विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत कर रहा है जो उनके लिए अत्यधिक उपयोगी है। इग्नू की शिक्षण पद्धति अत्यन्त लचीली है। बीपीपी कार्यक्रम की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इस कोर्स में वे सभी लोग प्रवेश प्राप्त कर शैक्षिक डिग्री हासिल कर सकते हैं जिन्होंने कभी कोई शिक्षा प्राप्त नहीं की है। बीपीपी कार्यक्रम करने के पश्चात वे इग्नू से स्नातक, डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र कार्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं।

सहायक क्षेत्रीय निदेशक अंशुमान उपाध्याय ने बताया कि इग्नू के स्नातक स्तर के कार्यक्रम छात्रों को संघ लोक सेवा आयोग एवं अन्य आयोगों द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु काफी उपयोगी होते हैं। श्री उपाध्याय ने यह भी बताया कि इग्नू गृह मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से एक छः माह का पाठ्यक्रम सार्टिफिकेट 'कोर्स इन एंटी ह्यूमेन ट्रेफिकिंग' संचालित कर रहा है जो पुलिस एवं अन्य कर्मियों के लिए अत्यन्त आवश्यक है। केन्द्र समन्वयक डॉ प्रभात शुक्ल ने कहा कि आने वाले समय में दूरस्थ शिक्षा एक मात्र ऐसा विकल्प होगा जिससे बहुत सारे लोग एक साथ उच्च शिक्षा घर बैठे प्राप्त कर सकेंगे। ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए इग्नू ने किसी भी श्रेणी तथा विषय से इण्टर पास को बी0ए0 कराने की सुविधा अपने केन्द्रों पर प्रदान कर रखी है। इसके अतिरिक्त जी0टी0आई0 तथा आई0टी0आई0 करने वाले विद्यार्थी भी अपने पाठ्यक्रमों के साथ ही साथ इग्नू से स्नातक की डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं। इससे पूर्व इग्नू क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ से आये अतिथियों का स्वागत समन्वयक डॉ प्रभात शुक्ल तथा विभागाध्यक्ष डॉ एम के वर्मा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। बैठक में इग्नू के परामर्शदाताओं के रूप में डॉ मीना शर्मा, डॉ एम के वर्मा, डॉ विनीत श्रीवास्तव, डॉ प्रशान्त अग्निहोत्री, डॉ धीरज रस्तोगी, डॉ अरविन्द शुक्ल, डॉ राजेश कुमार, नंदिनी कश्यप, श्रीमती सुषमा मेहरोत्रा, बलराम बाजपेई, मुकेश कुमार आदि उपस्थित रहे।